पाठ्यक्रम (2020-21)
कक्षा : नवम्
विषय : संस्कृत

- **प्रश्नपत्र में कुल 12 प्रश्न होंगे।**
- **प्रश्न पत्र में तीन भाग (क से ग तक) होंगे ।**

भाग – क
अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न–1 में **(i)** से **(x)** तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा । ये प्रश्न एक शब्द् से एक वाक्य तक के उत्तरों वाले अथवा हाँ/नहीं अथवा सही/गलत अथवा बहुवैकल्पिक उत्तरों वाले, किसी भी प्रकार के हो सकते हैं यह प्रश्न पाठ्यक्रम से ही पूछे जायें।

(i) से **(ii)** तक शब्द् रूप (पुल्लिग ,स्त्री लिंग तथा नपुंसकलिंग) से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

(iii) से **(iv)** तक धातुरूप (लट्लकार, लङ्लकार ,लृट्लकार) से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

(v) से**(vi)** तक समास से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे

(vii) से **(viii)** तक सन्धि से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे

(ix) से **(x)** तक उच्चारण स्थान से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

भाग – ख
(पाठ्य पुस्तक के 1 से 15 तक पाठ)

2 गद्यांशों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद ।
3 पद्यों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में प्रसंग सहित अर्थ ।
4 पाठों के अभ्यासों में से हिन्दी में प्रश्न ।
5 पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत लघु प्रश्न ।
6 पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत शब्दों के हिन्दी में अर्थ ।
7 पठित गद्याँश में से संस्कृत में सरल प्रश्न ।

भाग–ग
(व्याकरण भाग)

8 (क) **शब्द् रूप** : (पुं) खग , छात्र , कवि, रवि ।
(स्त्री.) गंगा, शाला, प्रभा, नदी , नारी ।
(नपुं.) मित्र, ज्ञान, गृह।
सर्वनाम –तद् ,अस्मद् , युष्मद् (केवल पुं. में)

(ख) **धातु रूप** : (लट् लकार, लङ् लकार, लृट् लकार)
भ्वादिगण : (परस्मैपद्) अर्च्, पा, भू , पठ् , स्था, कूज् ,गम् , दा, सृ, नी, दृश् ,स्मृ।

9 **समास** : तत्पुरुष, द्विगु, कर्मधारय, द्वन्द्व, अव्ययीभाव और बहुब्रीहि।

अथवा

रिक्त स्थानों की पूर्ति (उपयुक्त शब्द् रूप तथा धातु रूप पर आधारित)

10 **सन्धि** : स्वर सन्धि :-दीर्घ, गुण, यण् , वृद्धि, अयादि सन्धि ।
व्यंजन सन्धि:- खर विधि, जश् विधि, डम् विधि, श्चुत्व विधि,लत्व विधि, णत्व विधि।

11 **स्वर और व्यंजन का ज्ञान ।**

12 हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद ।(1 से 15 अभ्यास)

अथवा

निम्नलिखित विषयों पर संस्कृत में साधारण पत्र या प्रार्थना पत्र ।

1 अनुपस्थिति विषयकम् आवेदन पत्रम् ।
2 रुग्ण- अवकाशाय आवेदन पत्रम् ।
3 मित्राय भ्रमण विषयकं पत्रम् ।
4 शुल्क क्षमार्थम् आवेदन पत्रम् ।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक :संस्कृत भारती 9 (1 से 15 पाठ)पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित

आन्तरिक मूल्यांकन

आन्तरिक मूल्यांकन के कुल 20 अंक हैं, जो दो भागों में विभक्त किया गया है।

भाग- क (गतिविधियां) अंक 10

यह मूल्यांकन विद्यार्थी द्वारा पूर्ण साल में की गई गतिविधियों पर आधारित होगा ।

(क) विद्यार्थी की कक्षा में उपस्थिति = 2 अंक

(ख) गृहकार्य = 2 अंक

(ग) घरेलू परीक्षाओं पर आधारित मूल्यांकन = 4 अंक

(घ) पुस्तक बैंक = 2 अंक (विद्यार्थी पुस्तकालय में संस्कृत विषय की पुस्तकों के संग्रह में योगदान देगा जिससे पुस्तकालय में संस्कृत विषय की पुस्तकों के भण्डार में वृद्धि होगी)

भाग- ख (परियोजनाकार्यम्) अंक 10

यह मूल्यांकन संस्कृत भाषा के प्रति विद्यार्थी के सामान्य ज्ञान पर आधारित होगा । निम्नलिखित विषयों पर विद्यार्थी के ज्ञान का परीक्षण किया जाये।

(1) वाचन कौशल- वाचन कौशल के अंतर्गत विद्यार्थियों की वाचन कुशलता को विकसित करने के लिए पठ्य-पुस्तक में दिए गए गद्य- पद्य भाग में कोई एक अनुच्छेद पढ़ने को दिया जायेगा ।

लाभ-

1. हाव- भाव सहित शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास । **अंक= 3**
2. व्याकरणिक दृष्टि से उच्चारण में शुद्धता का विकास ।
3. विद्यार्थियों में भाषण कौशल का विकास ।
४. प्राचीन संस्कृत साहित्य पढ़ने की रूचि का विकास

(2) श्रवण कौशल- श्रवण कौशल के अंतर्गत विद्यार्थियों की श्रवण कुशलता को विकसित करने के लिए पठित सामग्री को सुनकर अर्थ ग्रहण करना,वार्तालाप करना, वाद-विवाद, संस्कृत गीतों को सुनने की कुशलता का विकास करना । **अंक= 3**

लाभ-

1. श्रवण के माध्यम से विद्यार्थियों मे एकाग्रता विकसित होगी ।
2. मनन शक्ति का विकास होगा ।
3. प्राचीन संस्कृत साहित्य सुनने की रूचि का विकास होगा ।

(3) अध्यापक परियोजनाकार्य भाग में स्वतन्त्र रूप से भी कक्षा में कार्य करवा सकता है। परियोजनाकार्य का उद्देश्य संस्कृत भाषा में विद्यार्थी के लेखन कौशल का विकास करना है । इसके अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर अध्यापक द्वारा विद्यार्थिओं को परियोजना तैयार करने को कहा जाएगा, जिसका मार्गदर्शन अध्यापक करेगा । परियोजना लिखते समय उसे रुचिपूर्ण बनाने के लिए विद्यार्थी चित्रों का प्रयोग भी कर सकता है ।

अंक=4

विषय : संस्कृत
कक्षा : नवम्
प्रश्न– पत्र की रूपरेखा

समय : 3 घण्टे **कुल अंक : (लिखित=75+5 सुन्दर लिखाई) =80**
आन्तरिक मूल्यांकन = 20

भाग क

1 अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) **1x10=10**

भाग ख
(पाठ्य पुस्तक 1 से 15 पाठ)

2 तीन गद्यांश दिए जाएं जिनमें से दो का अनुवाद हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में करने को कहा जाए । **4x2=8**

3 तीन पद्य दिए जाएं जिनमें से दो का प्रसंग सहित अर्थ हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में लिखने को कहा जाए। **4x2=8**

4 पाठों के अभ्यासों में से पाँच प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं , जिनमें से तीन का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए। **2x3=6**

5 संस्कृत में पाँच प्रश्न दिए जाएं ।जिनमें से तीन का उत्तर संस्कृत में लिखने को कहा जाए। **2x3=6**

6 पाठों के अभ्यासों में से सात संस्कृत शब्द दिए जाएं जिनमें से चार शब्दों के हिन्दी में अर्थ लिखने को कहा जाए । **1x4=4**

7 पाठ्य पुस्तक में से कोई एक गद्याँश देकर उसी मे से संस्कृत में दो सरल प्रश्न पूछे जाएं। **2x2=4**

भाग=ग
(व्याकरण भाग)

8 (क) पाठ्यक्रम में दिए गये शब्द रूपों में से छ: शब्दों के रूप किसी एक विभक्ति के तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से केवल चार शब्दों के रूप लिखने हों । **4x1½=6**

(ख) पाठ्यक्रम में दिए गये धातु रूपों में से छ: धातुओं के रूप किसी एक लकार के एक पुरुष के तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से केवल चार धातुओं के रूप लिखने हों। **4x1½=6**

9 पाठ्यक्रम में दिए गए समासों से संबंधित पाँच समस्त पद दिए जाएं जिनमें से तीन का विग्रह करने को कहा जाए ।

अथवा

शब्द् रूप तथा धातु रूप पर आधारित रिक्त स्थानों की पूर्ति पुस्तक के अभ्यासों में से पाँच वाक्य दिए जाएं जिनमें से तीन करने को कहा जाए **1x3=3**

10 पाठ्यक्रम में दी गई सन्धियों में से सात शव्द सन्धि/सन्धि विच्छेद के लिए दिये जाएं जिनमें से किन्हीं पाँच शव्दों के उत्तर लिखने के लिए कहा जाए। **1x5=5**

11 स्वर और व्यंजन के ज्ञान से सम्बन्धित सात प्रश्न पूछे जाएं , जिनमें से पाँच का उत्तर लिखने के लिए कहा जाए । **1x5=5**

12 हिन्दी के आठ वाक्य दिए जाएं जिनमें से चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करने के लिए कहा जाए ।

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से एक साधारण पत्र तथा एक प्रार्थना पत्र पूछा जाए । जिनमें से एक पत्र/प्रार्थना पत्र संस्कृत में लिखने को कहा जाए । **1x4=4**